Toppersnotes®
Unleash the topper in you

UP - PCS

प्रादेशिक प्रशासनिक सेवा

Prelims & Mains

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज

सामान्य अध्ययन

पेपर 2 – भाग 2

अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

SIERRA INNOVATIONS

UP - PCS

पेपर - 2 भाग - 2

अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

S.No.	Chapter Name	Page No.
1.	**भारत और उसके पड़ोसी देश** • नेबरहुड फर्स्ट नीति • भारत-अफगानिस्तान • भारत-श्रीलंका संबंध • भारत-मालदीव संबंध • सहयोग के क्षेत्र • चुनौतियां • आगे की राह • भारत-म्यांमार संबंध • भारत-नेपाल संबंध • भारत-बांग्लादेश संबंध • भारत-चीन संबंध • भारत-पाकिस्तान संबंध • भारत-भूटान संबंध	1
2.	**भारत-अमेरिका संबंध** • ऐतिहासिक संबंध • सहयोग के क्षेत्र • चुनौतियाँ • आगे की राह	59
3.	**भारत-कनाडा संबंध** • ऐतिहासिक संबंध • सहयोग के क्षेत्र • चुनौतियाँ • आगे की राह	66
4.	**भारत-रूस संबंध** • ऐतिहासिक संबंध • सहयोग के क्षेत्र • चुनौतियाँ • आगे की राह	69
5.	**भारत और पश्चिम एशिया** • ऐतिहासिक संबंध • भारत के लिए पश्चिम एशिया का महत्व • चिंताएं/चुनौतियां • नव गतिविधि • भारत-ईरान संबंध • भारत-इजरायल संबंध • भारत-UAE संबंध • भारत-तुर्की संबंध • भारत-सऊदी अरब संबंध	75

6.	**भारत और मध्य एशियाई देश** • मध्य एशियाई देश: कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उजबेकिस्तान। • मध्य एशिया संयोजकता नीति • भारत-मध्य एशिया द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के तरीके:	**92**
7.	**भारत और दक्षिण पूर्व एशिया** • ऐतिहासिक संबंध • स्वतंत्रता के बाद संबंधों की समयरेखा • पूर्व की ओर देखो नीति (एलईपी) • सहयोग के क्षेत्र • चुनौतियां	**98**
8.	**पूर्वी एशिया और प्रशांत** • भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध • भारत-न्यूजीलैंड संबंध • भारत-जापान संबंध • भारत और इंडो-पैसिफिक • आगे की राह	**104**
9.	**हिंद महासागर** • हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) • भारत-मॉरीशस संबंध	**116**
10.	**भारत-अफ्रीका संबंध** • ऐतिहासिक संबंध • भारत के लिए अफ्रीका का महत्व • सहयोग के क्षेत्र • चुनौतियों • आगे की राह	**122**
11.	**भारत-यूरोप संबंध** • यूरोपीय संघ • भारत-जर्मनी संबंध • भारत-फ्रांस संबंध • भारत-यूनाइटेड किंगडम संबंध	**128**
12.	**प्रवासी भारतीय** • भारत की प्रवासी नीति • प्रवासी भारतीयों के लिए महत्वपूर्ण पहल • प्रवासी भारतीयों का महत्व • भारतीय प्रवासियों के सामने चुनौतियां	**143**
13.	**महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान** • संयुक्त राष्ट्र संगठन (UNO) • संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसियां • अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष • विश्व बैंक • विश्व आर्थिक मंच (WEF) • राष्ट्रमंडल • विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) • विश्व व्यापार संगठन (WTO) • अन्य महत्वपूर्ण संयुक्त राष्ट्र संस्थान • अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICC) • स्थायी मध्यस्थता न्यायालय (PCA) • विविध संस्थान	**147**

14.	**वैश्विक समूह** • G-7 • G-20 • G-77 • खाड़ी सहयोग परिषद • पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (OPEC) • रायसीना संवाद (RD) • बहुपक्षीय निर्यात नियंत्रण व्यवस्था (MECR) • एशिया - प्रशांत महासागरीय आर्थिक सहयोग • BRICS • भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका (IBSA) संवाद मंच • शंघाई सहयोग संगठन (SCO) • अश्गाबात समझौता • दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (SAARC) • बांग्लादेश भूटान भारत नेपाल (BBIN) पहल • बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) • दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (ASEAN) • एशियाई विकास बैंक • अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन • क्वाड ग्रुपिंग • आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD) • ऑर्गेनिक ऑफ इस्लामिक को ऑपरेशन (OIC) • क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (RCEP)	**164**
15.	**कूटनीति के बदलते क्षेत्र** • सॉफ्ट पावर(नम्र शक्ति) डिप्लोमेसी • नम्र शक्ति • भारत की जलवायु परिवर्तन कूटनीति • अंतरिक्ष कूटनीति	**186**

1
CHAPTER

भारत और उसके पड़ोसी देश

- भारत के पड़ोसी देश - पाकिस्तान, अफगानिस्तान, चीन, भूटान, नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार
  - समुद्री पड़ोसी देश - श्रीलंका और मालदीव
- भारत की नीति दृष्टि: व्यापार, संपर्क और लोगों से लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देने पर जोर देने के साथ दक्षिण एशियाई शांति और सहयोग को बढ़ावा देना।

नेबरहुड फर्स्ट नीति

नेबरहुड फर्स्ट नीति के पीछे की विचारधारा

- भारत को अपने पड़ोस की घटनाओं पर प्रतिक्रिया करने के बजाय उन घटनाओं पर नियंत्रण करना चाहिए।
  - अंतर्राष्ट्रीय मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की भारत की इच्छा के अनुरूप।
- पारस्परिक रूप से लाभकारी क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग के माध्यम से अधिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए ।
  - विदेश नीति के लिए एक सुपरिभाषित प्रतिमान का अनुसरण करें ।
- भारत की आर्थिक कूटनीतिक रणनीति का मुख्य सार पड़ोसियों को पहले रखने में है।
- **मुख्य विशेषताएं**
  - **पड़ोसियों को तत्काल प्राथमिकता-** विकास योजना को प्राप्त करने के लिए दक्षिण एशिया में शांति और शांति सुनिश्चित करना।
  - **क्षेत्रीय कूटनीति:** पड़ोसी देशों के साथ जुड़ने और बातचीत के माध्यम से राजनीतिक संबंध बनाने पर जोर।
  - **द्विपक्षीय मुद्दों को हल करना-** द्विपक्षीय चिंताओं के लिए पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान खोजना। उदाहरण- भारत-बांग्लादेश ने भूमि सीमा समझौते LBA) Land Boundary Agreement(पर हस्ताक्षर किए।
  - **कनेक्टिविटी-** भारत ने राष्ट्रीय सीमाओं के पार संसाधनों, ऊर्जा, माल, श्रम और सूचनाओं की मुक्त आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए SAARC के सदस्यों के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
  - **आर्थिक सहयोग:** व्यापार संबंधों को मजबूत करने के लिए। SAARC क्षेत्रीय विकास के लिए एक तंत्र के रूप में भारत की भागीदारी और निवेश से लाभान्वित हुआ। ऊर्जा विकास के लिए BBIN (Bangladesh Bhutan India Nepal) समूह, जिसमें मोटर वाहन, जलशक्ति प्रबंधन और इंटर-ग्रिड कनेक्टिविटी शामिल हैं।
  - **तकनीकी सहयोग:** पूरे दक्षिण एशिया के लोगों के साथ टेलीमेडिसिन और ई-लर्निंग जैसे प्रौद्योगिकी के लाभों को साझा करने के लिए सार्क उपग्रह लॉन्च किया गया।
  - **आपदा प्रबंधन:** भारत सभी दक्षिण एशियाई नागरिकों को आपदा प्रतिक्रिया, संसाधन प्रबंधन, मौसम पूर्वानुमान और विशेषज्ञता प्रदान करता है। नेपाल में 2016 में आए भूकंप के बाद भारत ने असाधारण सहायता प्रदान की।
  - **रक्षा सहयोग:** भारत रक्षा संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से सूर्य किरण)नेपाल(और संप्रति,)बांग्लादेश(जैसे अभ्यासों के माध्यम से क्षेत्रीय सुरक्षा बढ़ा रहा है।
  - **पड़ोसियों को सहायता:** दान या 'दान' के मूल्य के साथ सद्भावना संकेत ।
    - नेपाल, श्रीलंका और भूटान जैसे पड़ोसियों को तकनीकी सहायता।
    - अनियोजित अनुदान के तहत मानव संसाधन संबंधी प्रशिक्षण।
    - विकास कूटनीति के एक उपकरण के रूप में ITEC) Indian Technical and economic cooperation(छात्रवृत्ति और क्रेडिट लाइन

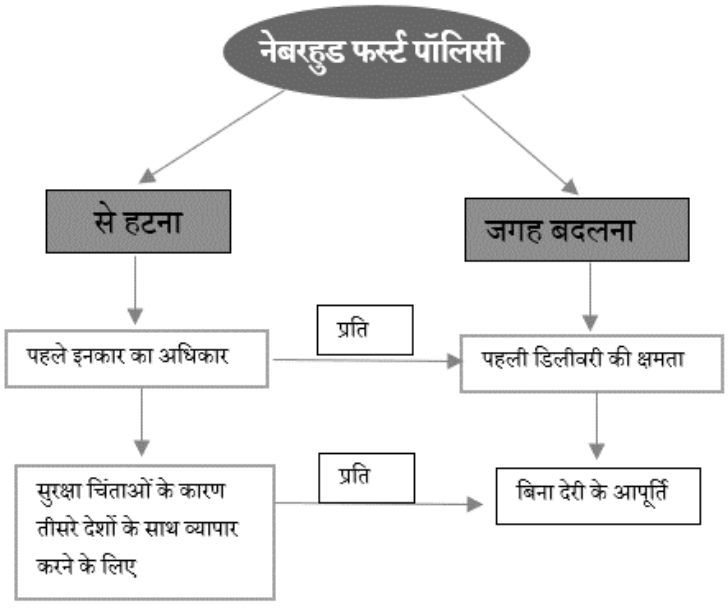

नेबरहुड फर्स्ट नीति के समक्ष चुनौतियां

- **नेपाल** का आरोप लगाता है कि-
  - भारत ने आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप किया।
  - भारत ने सार्वजनिक रूप से नेपाल के संविधान के प्रति अपना असंतोष व्यक्त किया है ।
  - भारत ने नाकेबंदी का सहारा लेकर, नेपाल को UN से शिकायत करने के लिए विवश किया ।
  - भारत ने ओली सरकार को गिराने के लिए रॉ का सहारा लिया।
- **श्रीलंका**- आरोप लगाता है कि श्रीलंका के तत्कालीन रॉ स्टेशन प्रमुख के एलंगो, राजपक्षे सरकार को गिराने का इरादा रखते थे।
- **मालदीव**- आरोप है कि नशीद को गिरफ्तार किए जाने पर भारत अति उत्साही और अनुचित व्यवहार प्रदर्शित करता रहा है।
- **पाकिस्तान**- सबसे बड़ी कूटनीतिक और सुरक्षा दुविधा। भारत की कठिनाई एक ऐसे राज्य के साथ संबंधों का प्रबंधन करना है जो खुले तौर पर राज्य की नीति के एक उपकरण के रूप में आतंक का उपयोग करता है और जिसके पास कई शक्ति केंद्र हैं।
- **अफगानिस्तान**- तालिबान द्वारा हालिया अधिग्रहण अफगानिस्तान में भारत द्वारा किए गए सभी विकासात्मक प्रयासों को खतरे में डालता है।
- **चीन**- भारतीय उपमहाद्वीप में अपने पैर पसार रहा है। ग्वादर बंदरगाह का निर्माण, स्ट्रिंग ऑफ़ पर्ल्स, OBOR पहल ने संबंधों में संदेह को जन्म दिया है। CPEC, POK से होकर गुजरता है।
- **बांग्लादेश**- तीस्ता नदी के पानी जैसे अनसुलझे मुद्दे, अवैध प्रवास का मुद्दा आदि ।

<u>आगे की राह</u>

- कूटनीति- भारत को अहंकार दिखाने की बजाय धैर्यवान कूटनीति का सहारा लेना चाहिए।
- कनेक्टिविटी- सीमा पार परिवहन और संचार संबंध स्थापित करने में अग्रणी होना चाहिए।
- क्षमता विकास- अधिक विदेशी राजनयिकों और नौकरशाहों की भर्ती करके।
- सॉफ्ट पावर- भारत की साझा संस्कृति क्षेत्र में अपनी जड़ें गहरी करने का अवसर प्रदान करती है।
- आर्थिक विकास- अपने बाजारों का विस्तार करने और अपने बुनियादी ढांचे में सुधार करने के लिए पड़ोसियों के साथ सहयोग करें। सतत और समावेशी विकास पर जोर दिया जाना चाहिए।

भारत-अफगानिस्तान

- आधिकारिक तौर पर अफगानिस्तान का इस्लामी अमीरात। राजधानी काबुल ।
- मध्य और दक्षिण एशिया के चौराहे पर स्थित स्थलबद्ध देश ।
- पड़ोसी - पूर्व और दक्षिण में पाकिस्तान (पाकिस्तान-नियंत्रित गिलगित-बाल्टिस्तान के साथ एक छोटी सीमा जोकि, भारत द्वारा दावा किया गया क्षेत्र है), पश्चिम में ईरान, उत्तर में तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान, और उत्तर-पूर्व में ताजिकिस्तान और चीन।

- क्षेत्रफल 652,864 वर्ग किमी. मुख्य रूप से पहाड़ी, उत्तर और दक्षिण-पश्चिम में मैदानी इलाकों के साथ हिंदुकुश पर्वत श्रृंखला से अलग।

ऐतिहासिक संबंध

- प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता के बाद से संबंध मौजूद थे।
  - सिकंदर के उत्तराधिकारियों में से एक, सेल्यूकस निकेटर ने गठबंधन संधि के हिस्से के रूप में 305 ईसा पूर्व में मौर्य साम्राज्य को सौंपने से पहले अफगानिस्तान के अधिकांश हिस्से को नियंत्रित किया था।
- मध्यकालीन
  - 10वीं मध्य 18वीं शताब्दी- भारत के उत्तरी क्षेत्रों में कई आक्रमणकारियों जैसे गजनवी, घुरिद, खिलजी, सूरी, मुगल और दुर्रानी द्वारा आक्रमण।
  - मुगल काल अपने क्षेत्रों में राजनीतिक अस्थिरता के कारण अफगानी भारत आए।
- आधुनिक:
  - खान अब्दुल गफ्फार खान - भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेता और कांग्रेस के सक्रिय समर्थक।
- स्वतंत्रता के बाद भारत - 1980 के दशक में सोवियत समर्थित लोकतांत्रिक गणराज्य अफगानिस्तान को मान्यता देने वाला एकमात्र दक्षिण एशियाई देश है हालांकि 1990 के दशक के अफगान गृहयुद्ध और तालिबान सरकार के दौरान संबंध कम हो गए।
  - तालिबान की सहायता से तख्तापलट किया ।
- सामरिक साझेदारी समझौता: अक्टूबर 2011 में हस्ताक्षरित।
  - उद्देश्य अफगानिस्तान के बुनियादी ढांचे और संस्थानों का पुनर्निर्माण करना।
  - स्वदेशी अफगान क्षमता के पुनर्निर्माण के लिए शिक्षा और तकनीकी सहायता प्रदान करना।
  - अफगानिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों में निवेश को प्रोत्साहित करना।
  - भारतीय बाजार में अफगानिस्तान के निर्यात को शुल्क मुक्त पहुंच प्रदान करना।
- भारत - अफगानिस्तान को 5वां सबसे बड़ा दाता और सबसे बड़ा क्षेत्रीय दाता।
- भारत ने सुरक्षा-केंद्रित दृष्टिकोण से क्षेत्रीय विश्वास निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया।

अफगानिस्तान और तालिबान

- अफगानिस्तान से सोवियत सैनिकों की वापसी के बाद 1990 के दशक की शुरुआत में तालिबान का उदय हुआ।

- तालिबान ने 1996 से 2001 तक अफगानिस्तान पर शासन किया लेकिन घोर कुशासन के कारण अमेरिकी आक्रमण हुआ।
- जब से अमेरिका और उसके सहयोगियों ने ओसामा बिन लादेन को मारने के आधार पर अफगानिस्तान पर हमला किया, तालिबान नियंत्रण प्राप्त करने के लिए संघर्ष कर रहा है।
- हाल ही में, US-तालिबान शांति समझौता, विदेशी बलों की वापसी, कैदियों की रिहाई और तालिबान की मान्यता आदि।
- अमेरिका के हटने के बाद तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया।

उत्तरी गठबंधन

- अफगान नॉर्दर्न एलायंस/यूनाइटेड इस्लामिक फ्रंट।
- तालिबान के काबुल पर कब्जा करने के बाद 1996 के अंत में एक संयुक्त सैन्य मोर्चे का गठन हुआ।
  - जिसमें ईरान, रूस, तुर्की, भारत, अमेरिका आदि से समर्थन प्राप्त हुआ ।
- अफगानिस्तान में अमेरिकी प्रवेश। तालिबान के खिलाफ 2 महीने के युद्ध में जमीन पर उत्तरी गठबंधन के सैनिकों को समर्थन प्रदान किया, जिसे उन्होंने दिसंबर 2001 में जीता था।
- तालिबान को देश के नियंत्रण से बाहर किया गया। सदस्य और दलों के करजई प्रशासन की नई स्थापना में शामिल होने पर बाद में उत्तरी गठबंधन भंग हो गया ।

सहयोग के क्षेत्र

सांस्कृतिक संबंध

- अफगानिस्तान 2000 से अधिक वर्षों से भारत के साथ फारस, मध्य एशिया की सभ्यताओं को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण व्यापार और शिल्प केंद्र रहा है ।
- छात्रवृत्ति कार्यक्रम काबुल में हबीबिया स्कूल का पुनर्निर्माण और नवीनीकरण।
  - भारत अफगानिस्तान को सालाना 500 ITEC स्लॉट प्रदान करता है।
  - अफगान नागरिकों को प्रति वर्ष 1000 छात्रवृत्ति की विशेष छात्रवृत्ति योजना।

राजनीतिक संबंध

- 2011: भारत-अफगान संबंधों को मजबूत करने के लिए रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
- काबुल में नया चांसरी परिसर: भारत का नया दूतावास।

आर्थिक संबंध

- आधारभूत संरचना: भारतीय सहायता से निर्मित
  - हरिरुद नदी पर हेरात क्षेत्र में अफगान-भारत मैत्री बांध (सलमा बांध)
  - अफगान संसद
  - जरांज-डेलाराम राजमार्ग (218 किलोमीटर लंबा, Border Road organization द्वारा निर्मित) अफगान-ईरान सीमा के साथ
  - शक्ति का आधारभूत ढाँचा: काबुल के उत्तर में पुल-ए-खुमरी से 220kV DC ट्रांसमिशन लाइन।
- कनेक्टिविटी(संयोजकता)
  - डायरेक्ट एयर फ्रेट कॉरिडोर।
  - चाबहार बंदरगाह सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत, ईरान अफगानिस्तान और मध्य एशियाई क्षेत्र के साथ समुद्री-भूमि संपर्क बढ़ाने के लिए।
  - TAPI 2016 में लॉन्च किया गया। हर साल 33 बिलियन क्यूबिक मीटर प्राकृतिक गैस ले जाने का लक्ष्य। पाइपलाइन तुर्कमेनिस्तान से अफगानिस्तान और पाकिस्तान के रास्ते भारत तक जाती है।
  - TAPI – तुर्केमेनिस्तान ,अफगानिस्तान ,पाकिस्तान ,इंडिया
  - – INSTC इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कोरिडोर
  - INSTC ईरान के माध्यम से रूस, यूरोप और यूरेशिया को भारत से जोड़ने के लिए व्यापार गलियारा परियोजना।
    - मध्य एशिया से कनेक्टिविटी के लिए INSTC के साथ भारत समर्थित चाबहार पोर्ट

वखान कॉरिडोर

- अफगानिस्तान का गलियारा और चीन का झिंजियांग प्रांत जो कि भारत के लिए भू-रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है।

वखान कारीडोर का सबसे संकरा हिस्सा 12.87उ हैं 1947 के बाद भारत,पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को मान्यता नहीं देता है, वखान से सीमाएँ लगती हैं इस प्रकार भारत के अनुसार वखान में अफगानिस्तान के साथ सीमा लगती हैं

- वखान कॉरिडोर के सिरे पर स्थित क्षेत्र CPEC के लिए एक प्रमुख चौराहे के रूप में विकसित हो रहा है।
- भारत की चिंता
  - CPEC के माध्यम से चीन की मौजूदगी से भारत की क्षेत्रीय अखंडता प्रभावित होगी।

- जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद बढ़ेगा।
- चीन गलियारे को 'शक्ति या संघर्ष के गलियारे' के जिज्ञासु मामले में बदलने की योजना बना रहा है।

- भारत की 2 विषयों के साथ प्रस्तावित भव्य रणनीति-
  - 'जम्मू-कश्मीर का डी बाल्केनाइजेशन'
  - 'एशिया का पुन: एशियाईकरण'।

रक्षा और सुरक्षा संबंध

- क्षमता निर्माण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में अफगान सैनिकों का प्रशिक्षण।
- अफगान सुरक्षा बलों के शहीदों के बच्चों के लिए 500 छात्रवृत्ति।
- रक्षा उपकरणों की आपूर्ति अफगान वायु सेना को 4 एमआई-25 अटैक हेलीकॉप्टर का उपहार।
- पुलिस:
  - पुलिस प्रशिक्षण और विकास पर तकनीकी सहयोग पर समझौता ज्ञापन भारत द्वारा अफगान सैनिकों की अपनी क्षमता निर्माण का विस्तार करने की मांग करता है।
  - सामरिक भागीदारी परिषद में 116 "नई विकास परियोजनाओं" के लिए एक भारतीय प्रतिबद्धता और संवर्धित सुरक्षा सहयोग शामिल है

भारत के प्रयासों में चुनौतियां

- सुरक्षा चिंतायें:
  - अफगानिस्तान से नाटो के नेतृत्व वाले सुरक्षा सहायता बल के जवानों की वापसी अफगानिस्तान को अस्थिरता और आतंकवाद के लिए पुन: स्प्रिंगबोर्ड में बदल रहा है ।
  - तालिबान सरकार का अफगानिस्तान में गठन।
- तालिबान को पाकिस्तान का समर्थन- भारत के विकास प्रयासों को अस्थिर करना।
- स्थिरता की चुनौती- बिगड़ती सुरक्षा स्थिति और विद्रोही प्रभाव या क्षेत्र के नियंत्रण के कारण, भारतीय परियोजनाओं की स्थिरता संदिग्ध है।

<u>भारत के लिए अफगानिस्तान में तालिबान के अधिग्रहण के निहितार्थ(आशय)</u>

- **राजनीतिक (आशय)**
  - समझौते में तालिबान को अफगान भूमि पर, विशेष रूप से अमेरिका और उसके सहयोगियों के खिलाफ किसी भी आतंकवादी कार्यवाही की अनुमति देने से रोकने वाला एक खंड शामिल है।
  - यह स्पष्ट नहीं है कि भारत, जो अमेरिका का सहयोगी नहीं है, प्रभावित होगा या नहीं।
  - तालिबान पर पाकिस्तान का बोलबाला हो सकता है क्योंकि उसे एक करीबी सहयोगी माना जाता है।
  - तालिबान की विचारधारा पाकिस्तान से जुड़ी हुई है जोकि भारतीय विचारधारा के विरोधी है।

भारत की आर्थिक चिंता

- चाबहार बंदरगाह की किस्मत अधर में है। पाकिस्तान को दरकिनार करने के उद्देश्य से बनाया गया है। यदि तालिबान विजयी होता है, तो बंदरगाहों की प्रासंगिकता संदेह में होगी।
- भारत ने अफगानिस्तान को 3 अरब डॉलर की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के निर्माण में मदद की है। महत्वपूर्ण लोगों में सलमा बांध, शहतत बांध, अफगान संसद आदि शामिल हैं।
- भारत के तालिबान विरोधी रुख को देखते हए इन संरचनाओं पर हमले का खतरा है

सुरक्षा संबंधी चिंताएं

- अफ़ग़ानिस्तान की धरती का इस्तेमाल भारत विरोधी तत्व कर सकते हैं
- जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा ने अपना ठिकाना अफगानिस्तान में स्थानांतरित कर दिया है

- कश्मीर के उग्रवादियों को अफगानिस्तान में तैनात किया जा सकता है और भारत विरोधी गतिविधियों के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है

भारत की आर्थिक चिंता

- चाबहार बंदरगाह का भविष्य अधर में है जोकि पाकिस्तान को दरकिनार करने के उद्देश्य से बनाया गया है। यदि तालिबान विजयी होता है, तो बंदरगाहों की प्रासंगिकता संदेह में होगी।
- भारत ने अफगानिस्तान को 3 अरब डॉलर की आधारभूत ढांचा परियोजनाओं के निर्माण में मदद की है। इनमें सलमा बांध, शहतत बांध, अफगान संसद आदि शामिल हैं।
- भारत के तालिबान विरोधी रुख को देखते हुए इन संरचनाओं पर हमले का खतरा है।

सुरक्षा संबंधी चिंताएं

- भारत विरोधी तत्व अफ़ग़ानिस्तान की धरती का इस्तेमाल कर सकते हैं ।
- जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा ने अपना ठिकाना अफगानिस्तान में स्थानांतरित कर दिया है
- कश्मीर के उग्रवादियों को अफगानिस्तान में तैनात किया जा सकता है और भारत विरोधी गतिविधियों के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है ।
- सामरिक प्रभाव
  - तालिबान के नियंत्रण में आने से मध्य एशिया का रास्ता भारत के लिए बंद हो सकता है।
  - तालिबान शासन पाकिस्तान और चीन जैसे देशों को सहायता दे सकता है जोकि भारत के रणनीतिक हितों में नहीं है ।

भारत-श्रीलंका संबंध

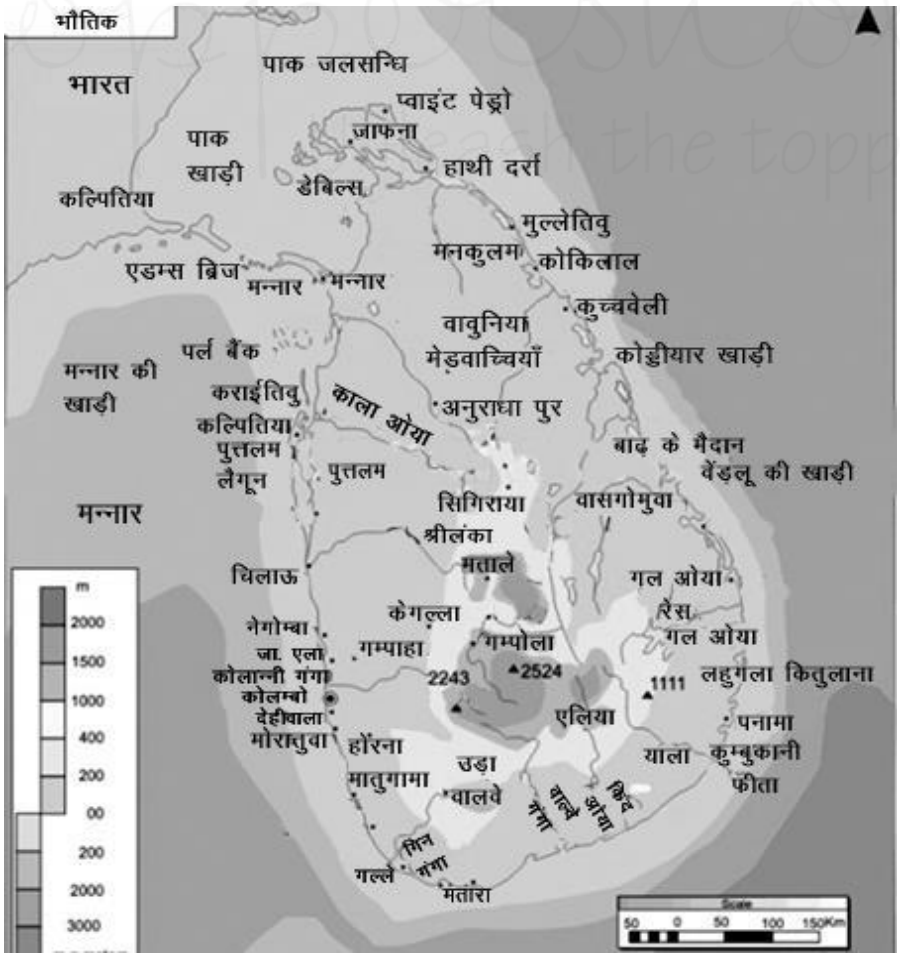

श्रीलंका का संक्षिप्त विवरण

- आधिकारिक नाम डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट रिपब्लिक ऑफ श्रीलंका।
- स्थान दक्षिण एशिया में द्वीपीय देश जो हिंद महासागर में स्थित है।
  - दक्षिण पश्चिम- बंगाल की खाड़ी
  - दक्षिण पूर्व- अरब सागर
  - उत्तर- पाक जलडमरूमध्य
- समुद्री सीमा भारत और मालदीव।
- राजधानी श्री जयवर्धनेपुरा कोट्टे,)विधायी राजधानी(

ऐतिहासिक संबंध

प्राचीन श्रीलंका का सबसे पहला उल्लेख –रामायण में

- लंका के राजा रावण द्वारा सीता को बंदी बनाने पर भारत के पहले राजनयिक हनुमान ने एडम बाध के निर्माण से राम को लंका तक पहुँचने में मदद की ।

मध्यकालीन बौद्ध धर्म लगभग 2000 साल पहले अशोक के दौरान श्रीलंका में प्रसार हुआ था ।

स्वतंत्रता पूर्व

- ब्रिटिश शासन श्रीलंका (तत्कालीन सीलोन) ब्रिटिश शासन के अधीन जोकि ब्रिटिश भारत साम्राज्य का हिस्सा नहीं था और अलग से प्रशासित किया जा रहा था।
- 1830 ब्रिटिश भारत से अनुबंधित श्रमिकों को, विशेष रूप से तमिलनाडु से, सीलोन ले गए।
- अंग्रेजों द्वारा ले जाए गए तमिल सीलोन के उत्तरी भाग में बस गए।

स्वतंत्रता के बाद:

- 1949 में तमिलों को मताधिकार से वंचित कर दिया गया।
- 1956 के राजभाषा अधिनियम संख्या 33 या सिंहल केवल अधिनियम ने तमिल को छोड़कर, सिलोन की एकमात्र आधिकारिक भाषा के रूप में सिंहल के साथ अंग्रेजी को बदल दिया।
- तमिलों के साथ और संस्थागत भेदभाव।
-)IPKF(– इंडिया पीस कीपिंग फोर्सेस
- लिबरेशन टाइगर्स ऑफ़ तमिल ईलम (LTTE) 1983 से 2009 तक श्रीलंकाई सशस्त्र बलों के साथ सशस्त्र संघर्ष में शामिल था ।
- भारत-श्रीलंका समझौता, 1987-
  - संबंधित पक्ष- PM राजीव गांधी और राष्ट्रपति जे.आर. जयवर्धने ।
  - उद्देश्य- श्रीलंका में गृहयुद्ध को समाप्त करना ।
  - श्रीलंका के संविधान में 13वें संशोधन द्वारा सक्षम स्वायत्तता के साथ प्रांतीय परिषदों के निर्माण की परिकल्पना की गई।
  - भारतीय शांति सेना (IPKF) ने श्रीलंका के उत्तरी और पूर्वी प्रांतों को "शत्रुता की गारंटी और लागू करने के लिए" तमिल अलगाववादी समूहों और सरकार को भेजा।
- 1991 में पूर्व PM राजीव गांधी की हत्या- इसके बाद रिश्ते और तनावपूर्ण हो गए और श्रीलंका में जातीय संघर्ष के प्रति भारत के रवैये में बदलाव आया।
- श्रीलंका में गृह युद्ध 2009 में सैन्य अभियान के माध्यम से समाप्त हुआ।
- श्रीलंका के खिलाफ भारत का UNHRC वोट- भारत ने 2009, 2012, 2013 में मानवाधिकार परिषद् में लिट्टे के खिलाफ श्रीलंका के युद्ध की जांच की मांग करने वाले प्रस्तावों के पक्ष में मतदान किया।
- 2014 में भारत में सरकार बदलने और 2015 में श्रीलंका ने दोनों देशों के बीच नए जुड़ाव का अवसर प्रदान किया।
- असैन्य परमाणु समझौते पर 2015 में हस्ताक्षर किए गए।

लिबरेशन टाइगर्स ऑफ़ तमिल ईलम (LTTE)

- स्वयंभू "तमिल ईलम के लोगों का राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन"।
- सरकार और प्रशासन पर छापामार युद्ध गुरिल्ला) युद्ध (शुरू किया।
- सिंहली के खिलाफ श्रीलंका में कई आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दिया और राजीव गांधी की हत्या की

सहयोग के क्षेत्र

आर्थिक और व्यापार संबंध

- भारत विश्व स्तर पर श्रीलंका का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।
- श्रीलंका सार्क में भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।
- भारत-श्रीलंका एफटीए 2000 में हस्ताक्षरित। इस अधिनियम के बाद दोनों देशों में व्यापार में तेजी से वृद्धि हुई ।
- द्विपक्षीय व्यापार लगभग 2020 में 3.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर।
- भारत से निर्यात मोटर वाहन, खनिज ईंधन और तेल, कपास, फार्मास्युटिकल उत्पाद, प्लास्टिक लेख, लोहा और इस्पात, रसायन, सीमेंट, चीनी आदि।
- SL से निर्यात प्रसंस्कृत मांस उत्पाद, पोल्ट्री फीड, अछूता तार और केबल, बोतल कूलर, परिधान, वायवीय टायर, टाइल और सिरेमिक उत्पाद, रबर के दस्ताने, बिजली के पैनल बोर्ड और बाड़े, मशीनरी के पुर्जे, भोजन की तैयारी और मसाले ।
- **निवेश**
  - श्रीलंका में भारतीय निवेश-
    - क्षेत्र: पेट्रोलियम खुदरा, पर्यटन और होटल, विनिर्माण, अचल संपत्ति, दूरसंचार, बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं।
  - भारत में श्रीलंकाई निवेश-
    - ब्रैंडिक्स (विशाखापत्तनम में एक गारमेंट सिटी स्थापित करने के लिए लगभग 1 बिलियन अमेरिकी की डालर) ।
    - MAS होल्डिंग्स, डमरो, LTL होल्डिंग्स ।
  - मुद्रा स्वैप समझौते RBI ने विदेशी भंडार को बढ़ावा देने और देश की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए श्रीलंका को 400 मिलियन अमेरीकी डालर की मुद्रा स्वैप सुविधा का विस्तार करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- 2005 से 2019 तक भारत से FDI लगभग $ 1.7 बिलियन था।
- क्रेडिट लाइन पिछले 15 वर्षों में एक्जिम बैंक द्वारा श्रीलंका को 11 एलओसी प्रदान किए गए।
  - सेक्टर रेलवे, परिवहन, कनेक्टिविटी, रक्षा, सौर ।
  - पूर्ण की गई महत्वपूर्ण परियोजनाएं-
    - रक्षा उपकरणों की आपूर्ति।
    - कोलंबो से मतारा तक रेलवे लाइन का उन्नयन।
    - ओमानथाई-पल्लई सेक्टर पर इरकॉन द्वारा ट्रैक बिछाना।
    - मधु चर्च तलाईमन्नार, मेदावाचिया-मधु रेलवे लाइन।
    - पल्लई-कांकेसंथुरई रेलवे लाइन का पुनर्निर्माण।
    - सिग्नलिंग और दूरसंचार प्रणाली।
    - बसों, डीजल लोकोमोटिव रेलवे, डीएमयू, कैरियर और फ्यूल टैंक वैगन आदि के लिए इंजन किट की आपूर्ति।
- श्रीलंका सरकार और एक्जिम बैंक के मध्य 2021 ,जून 16 को श्रीलंका ने सौर परियोजनाओं को शुरू करने के लिए 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर के एलओसी पर हस्ताक्षर किए गए ।
  - (सरकारी भवन, कम आय वाले परिवारों) के लिए रूफटॉप सोलर यूनिट और फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट।
- विकासात्मक और बुनियादी ढाँचा
  - कोलंबो-मतारा रेल लिंक- इस सुनामी-क्षतिग्रस्त लिंक की मरम्मत और उन्नयन के लिए $167.4 मिलियन की LOC बढ़ा दी गई है।

- उत्तरी और पूर्वी प्रांतों में बुनियादी ढांचा
  - जाफना कोलंबो रेल ट्रैक और अन्य रेलवे लाइनों का उन्नयन।
  - भारत से बिजली आयात के लिए बिजली पारेषण लाइनें उपलब्ध कराना, और कांकेसंथुराई बंदरगाह का पुनर्निर्माण।
- त्रिंकोमाली बंदरगाह और तेल टैंक फार्म भारत ने इसके विकास के लिए 1987 में समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। स्थान, केरलपिटिया कोलंबो के पास
- संयुक्त भारत-जापान समझौता 2019 में हस्ताक्षरित-
  - उद्देश्य कोलंबो बंदरगाह पर ईस्ट कंटेनर टर्मिनल और मटला हवाई अड्डे के संचालन की पेशकश जैसी अन्य परियोजनाओं को विकसित करना ।

- स्वास्थ्य देखभाल- भारत ने हंबनटोटा और पॉइंट पेड्रो के अस्पतालों को चिकित्सा उपकरण की आपूर्ति की, मध्य प्रांत आदि को 4 अत्याधुनिक एम्बुलेंस की आपूर्ति की।
- पर्यटन- 2015 में श्रीलंकाई पर्यटकों के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई ई-पर्यटक वीजा (ETV) योजना
- पुनर्वास - भारतीय आवास परियोजना जो कि बागान क्षेत्रों में युद्ध प्रभावित और एस्टेट श्रमिकों के लिए घर बनाने के लिए थी ।

रक्षा संबंध

- संयुक्त अभ्यास
  - मित्र शक्ति- संयुक्त सैन्य अभ्यास।
  - SLINEX- संयुक्त नौसेना अभ्यास ।
- SAGAR - श्रीलंका अपनी सुरक्षा और क्षेत्र में सभी के विकास में भारत का समर्थन करता है। (SAGAR)

सांस्कृतिक संबंध

- सांस्कृतिक सहयोग, समझौता- नवंबर, 1977 नई दिल्ली में संपन्न ।
- SAGAR – सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन दी रीजन ।
  - दोनों देशों के मध्य समय-समय पर सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों का आधार पर ।
- स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (SVCC)-
  - भारतीय उच्चायोग, कोलंबो की सांस्कृतिक शाखा ।
  - प्रशिक्षण के क्षेत्र: भरतनाट्यम, कथक, हिंदुस्तानी और कर्नाटक गायन, वायलिन, सितार, तबला, हिंदी और योग ।
- सहयोग अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मंचों पर-
  - SAARC, BIMSTEC, दक्षिण एशिया सहकारी पर्यावरण कार्यक्रम, दक्षिण एशियाई आर्थिक संघ जैसे कई क्षेत्रीय और बहुपक्षीय संगठनों के दोनों सदस्य।

चुनौतियां

- श्रीलंका में तमिलों के मुद्दे-
  - श्रीलंकाई तमिलों को नागरिकता से वंचित करना।
  - 1956 में सिंहली और तमिलों के बीच भाषाई भेदभाव, जब सिंहली को आधिकारिक भाषा बनाया गया था।
  - धार्मिक भेदभाव: बौद्ध धर्म प्राथमिक धर्म और राज्य द्वारा तमिल रोजगार और उच्च शिक्षा के संस्थानों में प्रवेश बहुत प्रतिबंधित था।
  - बढ़ते तमिल अलगाववाद और उग्रवाद के कारण तीव्र आंदोलनों ने 1970 के दशक में लिट्टे नामक एक आतंकवादी संगठन को जन्म दिया।

मुसीबतों का सागर
1950 के दशक में श्रीलंका और भारत के बीच अच्छे संबंध होने के बावजूद, ट्रॉलिंग विवाद का विषय रहा है
1950–1975 भारतीय और श्रीलंकाई दोनों मछुआरों के पास देशी नावें थीं समृद्ध जाफना मछुआरों के पास मोटर चालित नावें थीं
दोनों पक्ष एक साथ मछली पकड़ते थे और एक दूसरे के प्रति सौहार्दपूर्ण व्यवहार करते थे
1975 से 1983 तक भारतीय मछुआरों ने मशीनीकृत ट्रॉलर खरीदना शुरू किया
कच्चातीवु 1974 में श्रीलंका को सौंप दिया गया
ट्रैपिंग खराब क्यों है? गहन ट्रैपिंग के परिणामस्वरूप कई प्रकार की मछलियों का ह्रास होता है। "बाईकैच"– बिना बिक्री के मछली, समुद्री स्तनधारी, यहां तक कि समुद्री पक्षी भी इस विधि में फंस जाते हैं

- मछुआरों का मुद्दा

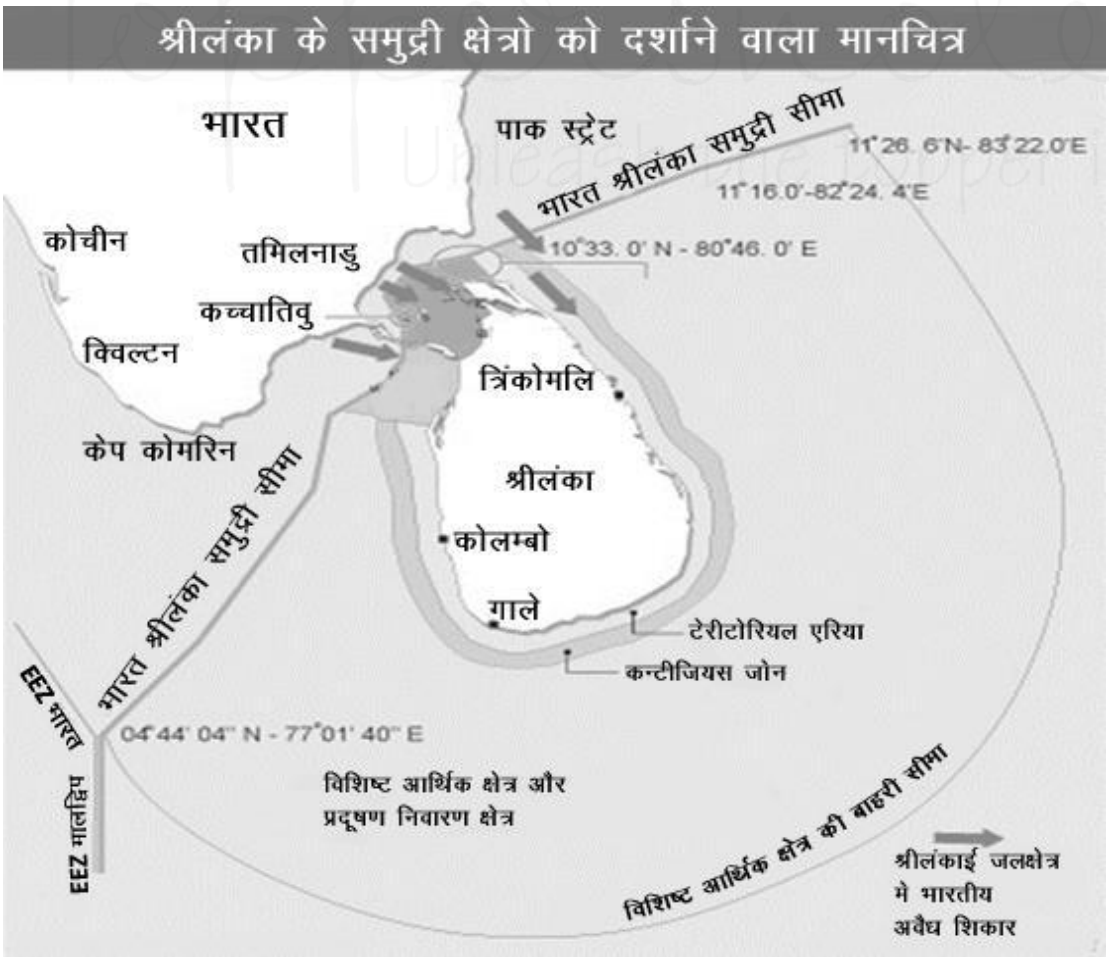
श्रीलंका के समुद्री क्षेत्रो को दर्शाने वाला मानचित्र
भारत
पाक स्ट्रेट
भारत श्रीलंका समुद्री सीमा
11°26. 6'N- 83°22.0'E
11°16.0'-82°24. 4'E
10°33. 0' N - 80°46. 0' E
कोचीन
तमिलनाडु
कच्चातिवु
क्विल्टन
त्रिंकोमलि
केप कोमरिन
श्रीलंका
कोलम्बो
गाले
टेरीटोरियल एरिया
कन्टीजियस जोन
भारत श्रीलंका समुद्री सीमा
EEZ भारत
EEZ मालदिप
04°44' 04" N - 77°01' 40" E
विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र और प्रदूषण निवारण क्षेत्र
विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र की बाहरी सीमा
श्रीलंकाई जलक्षेत्र मे भारतीय अवैध शिकार

- **कच्चातीवू द्वीप मुद्दा**-
  - नेदुन्थीवु) श्रीलंका(और रामेश्वरम) भारतके (मध्य में स्थित एक निर्जन द्वीप।
  - कच्चीतीवू द्वीप समझौता जिसके तहत भारत ने इसे 1974 में श्रीलंका को सौंप दिया था।
  - बाद में, श्रीलंका ने कैथोलिक तीर्थस्थल के कारण कच्चातीवू को एक पवित्र भूमि घोषित किया।
  - तमिलनाडु के दावे: कच्चातीवू भारतीय क्षेत्र के अंतर्गत आता है और इसलिए वहां मछली के अधिकार को संरक्षित करना चाहता है।
- भारत-श्रीलंका संबंधों में चीन वाला कारक
  - श्रीलंका ने चीन की प्रमुख कनेक्टिविटी परियोजना, बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) का समर्थन किया।
  - श्रीलंका ने हंबनटोटा बंदरगाह को 99 साल के लिए चीन को पट्टे पर दिया जो भारत के लिए चिंता का विषय है।
- तस्करी का मामला -
  - समुद्री मार्ग से अवैध रूप से सोने, ड्रग्स, नकली भारतीय करेंसी नोट (FICN), वन्यजीव और अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी होती है ।

<u>आगे की राह</u>

- दोनों राष्ट्र के मध्य लोकतांत्रिक - संबंधों को बढ़ाने और मजबूत करने के अवसर।
- मछुआरों का मुद्दा- दोनों को द्विपक्षीय चर्चा के जरिए दीर्घकालिक समाधान निकालना चाहिए।
- CEPA: दोनों देशों के मध्य आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए।
- ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों पर अधिक जोर।
- भारत और श्रीलंका के बीच फेरी सेवाओं के शुभारंभ के माध्यम से लोगों से लोगों के बीच संपर्क।
- CEPA– काम्प्रेहेंसिव इकोनोमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट
- एक दूसरे की चिंताओं और हितों की पारस्परिक स्वीकृति दोनों देशों को अपने संबंधों को बढ़ाने में मदद कर सकती है।

भारत-मालदीव संबंध

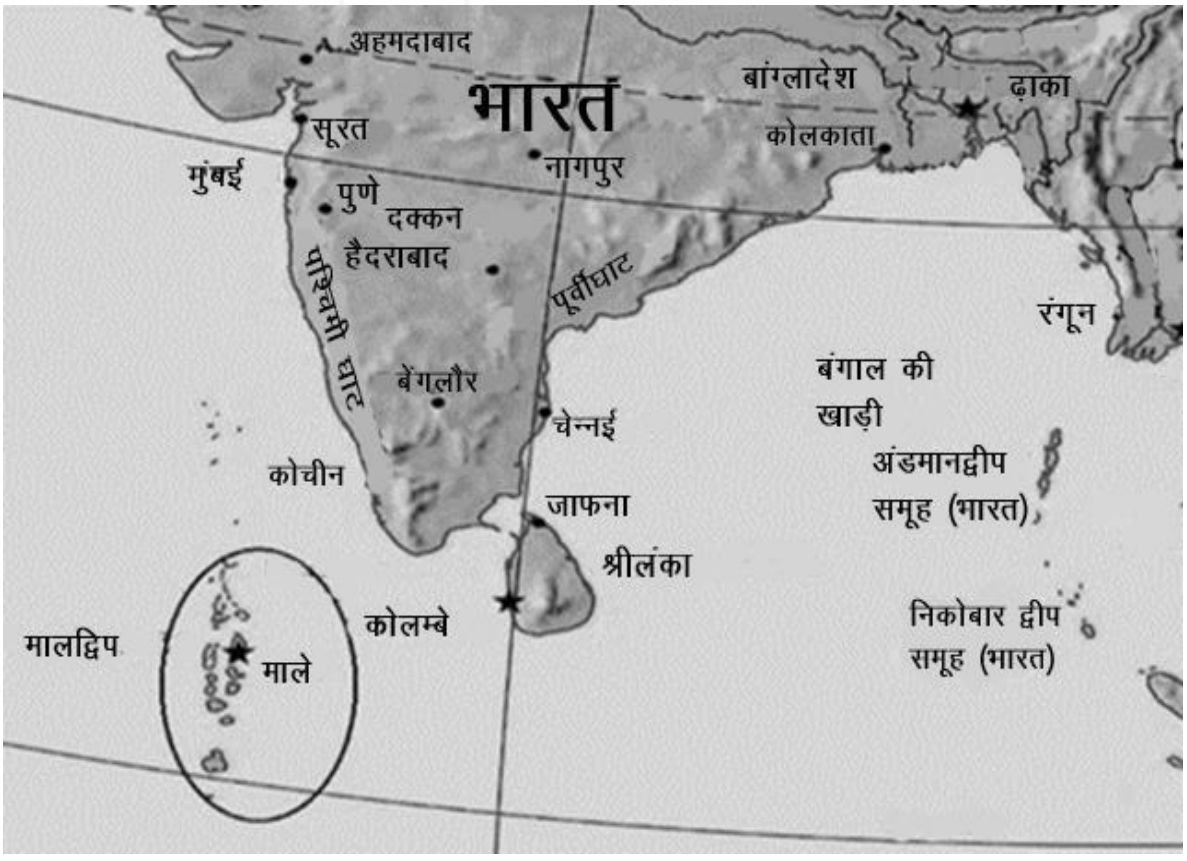

- आधिकारिक नाम- मालदीव गणराज्य ।
- एशिया के भारतीय उपमहाद्वीप में द्वीपीय समूह देश जोकि हिंद महासागर में स्थित है।
- श्रीलंका और भारत के दक्षिण-पश्चिम में स्थित है जोकि एशियाई महाद्वीप की मुख्य भूमि से लगभग 750 किलोमीटर दूर है।
- भारत और मालदीव पुरातनता में डूबे जातीय, भाषाई, सांस्कृतिक, धार्मिक और वाणिज्यिक सम्पर्क साझा करते हैं ।
- मालदीवियन द्वीपसमूह छागोस-लक्षद्वीप रिज पर स्थित है, जो भारतीय महासागर रिम में एक विशाल पर्वतीय श्रृंखला है, जो चागोस द्वीपसमूह और लक्षद्वीप के साथ मिलकर एक स्थलीय पर्यावरण-क्षेत्र बनाती है।

ऐतिहासिक संबंध

- स्वतंत्रता पूर्व- मालदीव, 1880 के दशक के मध्य से एक ब्रिटिश उपनिवेश रहा है जो 6 दिसंबर, 1887 को एक ब्रिटिश संरक्षित राज्य बन गया।
- स्वतंत्रता के बाद- भारत, 1965 में स्वतंत्रता के बाद मालदीव को मान्यता देने वाला पहला और राजनयिक संबंध स्थापित करने वाला पहला देश था।
- फरवरी 2012 से नवंबर 2018 तक की संक्षिप्त अवधि को छोड़कर, संबंध घनिष्ठ, सौहार्दपूर्ण और बहुआयामी रहे हैं।

भू-राजनीतिक और सामरिक महत्व

- भारत के पश्चिमी तट से निकटता
  - मिनिकॉय से 70 नॉटिकल मील और वेस्ट कोस्ट से 300 नॉटिकल मील।
- सामुद्रिक डकैती का मुकाबला- मालदीव समुद्री डकैती का शिकार है और भारत के साथ मिलकर इससे निपटने के लिए सामूहिक भागीदारी का पक्षधर है।
- गन रनिंग एंड आतंकवाद- मालदीवियन कॉप ऐसी गतिविधियों को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है।
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार: मालदीव भारतीय महासागर रिम के वाणिज्यिक समुद्री मार्गों के केंद्र में स्थित है।
  - मात्रा के हिसाब से भारत के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का 97% और मूल्य के हिसाब से 75% यहीं से होकर गुजरता है।
- चीन के बढ़ते हित : मालदीव में चीन तेजी से अपने पदचिह्नों का विस्तार कर रहा है।

मालदीव में राजनीतिक स्थिति और भारत की प्रतिक्रिया

- मोहम्मद नशीद - 2008 में मालदीव के लोकतांत्रिक रूप से चुने गए प्रथम राष्ट्रपति।
  - इन्होने 2012 में तख्तापलट के बाद इस्तीफा दे दिया।
- तब से, हिंद महासागर द्वीपसमूह में राजनीतिक खींचतान देखी जा रही है।
- नशीद ने अपने उत्तराधिकारी के शासन में गिरफ्तारी के डर से एक बार भारतीय उच्चायोग में शरण ली थी।
- अब्दुल्ला यामीन 2013 में राष्ट्रपति चुने गए ।
- नशीद को आतंकवाद के आरोप में 2015 में 13 साल की जेल हुई। जिसकी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक निंदा की गई।
- 2016 - मो. नशीद को ब्रिटेन में राजनीतिक शरण प्राप्त हुई ।
- जून 2016 - यामीन को हटाकर लोकतंत्र बहाल करने के लिए मालदीव संयुक्त विपक्ष बनाने के उद्देश्य से विपक्षी समूह एकजुट हो गए ।
- भारत व्यापक स्तर पर लोकतांत्रिक संस्थानों और द्वीपसमूह राष्ट्र में विपक्ष पर बड़े हमले पर चुप रहा है, जबकि अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ सहित अधिकांश देशों ने यामीन सरकार के उल्लंघन की निंदा की है।
- मालदीव को भारत की सहायता-
  - ऑपरेशन कैक्टस, 1988 भारतीय सशस्त्र बलों ने इस ऑपरेशन के तहत तख्तापलट के प्रयासों को बेअसर करने में मालदीव सरकार की मदद की।
  - 2004- सुनामी के बाद भारत ने मालदीव की मदद की।

- 'ऑपरेशन नीर', 2014- भारत ने इस ऑपरेशन के तहत पेयजल संकट से निपटने के लिए मालदीव को पेयजल की आपूर्ति की ।

तमिल ईलम का जन मुक्ति संगठन (PLOTE)-

- 1988 - PLOTE के 80 सशस्त्र उग्रवादियों को लेकर स्पीडबोट मालदीव में उतरे और देश में घुसपैठ करने वाले स्थानीय दलबदलू सहयोगियों के साथ मिलकर तख्तापलट शुरू किया।
- तत्कालीन भारतीय प्रधान मंत्री ने मालदीव सरकार की सहायता के लिए 1,600 सैनिकों को आदेश देकर ऑपरेशन केक्टस के तहत मालदीव सरकार की सहायता की।
- सहायता के अनुरोध के 12 घंटे के भीतर भारतीय सेनाएं पहुंची, तख्तापलट के प्रयास को विफल कर दिया और कुछ ही घंटों के भीतर देश पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लिया।

सहयोग के क्षेत्र

आर्थिक संबंध

- दोनों देशों ने 1981 में एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए ।
- द्विपक्षीय व्यापार- भारत के व्यापार संतुलन के साथ यूएस $ 290.27 मिलियन।
- UE, चीन और सिंगापुर के बाद भारत मालदीव का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।
- भारतीय आयात- 3.42 मिलियन अमेरिकी डॉलर = स्क्रैप धातु ।
- भारतीय निर्यात- 290.27 मिलियन अमेरिकी डॉलर = विभिन्न प्रकार के इंजीनियरिंग और औद्योगिक उत्पाद जैसे दवाएं, रडार उपकरण, रॉक बोल्डर, समुच्चय, सीमेंट और कृषि उत्पाद जैसे चावल, मसाले, फल, सब्जियां और पोल्ट्री उत्पाद आदि।
- मालदीव में रुपे कार्ड लॉन्च करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) और बैंक ऑफ मालदीव (BML) के बीच एक समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान Addu में पड़ोस के मछली संयंत्रो की स्थापना के लिए उच्च प्रभाव वाले सामुदायिक विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए ।
- भारत की वित्तीय खुफिया इकाइयों के बीच सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- आपराधिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता पर संधि के लिए अनुसमर्थन के साधन पर भी हस्ताक्षर किए जा रहे हैं।
- SBI द्वारा निवेश- यह फरवरी, 1974 से मालदीव के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, द्वीप रिसॉर्ट्स को बढ़ावा देने, समुद्री उत्पादों के निर्यात और व्यावसायिक उद्यमों के लिए ऋण सहायता प्रदान करता है।
- SBI की COVID-राहत- ने स्थानीय व्यवसायों के लिए 16.20 मिलियन अमेरीकी डालर की तरलता सहायता प्रदान की है और 200 से अधिक खुदरा खातों के लिए ऋण चुकौती को स्थगित कर दिया है।

GMR मालदीव एयरपोर्ट विवाद-

- GMR - भारतीय बुनियादी ढांचा प्रमुख है जिसे तत्कालीन मालदीव सरकार द्वारा अपने माले हवाई अड्डे को अघतन करने और एक नया हवाई अड्डा टर्मिनल बनाने के लिए $ 500 मिलियन से अधिक का अनुबंध दिया था।
- हालाँकि मौजूदा सरकार ने अनुबंध समाप्त कर दिया।
- GMR ने सिंगापुर उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जिसने अनुबंध को रद्द करने पर रोक लगा दी ।
- GMR ने मध्यस्थता जीती और सरकार द्वारा $570 मिलियन का पुरस्कार कम्पनी को दिया गया ।

रक्षा सहयोग

- भारत ने मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल को "कामयाब" नामक गश्ती पोत उपहार में दिया।
- भारत मालदीव नेशनल डिफेंस फ़ोर्स) MNDF(के लिए सबसे अधिक प्रशिक्षण अवसर प्रदान करता है।
- प्रमुख परियोजनाएं- MNDF के लिए समग्र प्रशिक्षण केंद्र, तटीय रडार निगरानी प्रणाली और नए रक्षा मंत्रालय का निर्माण।